भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्‍याण विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 3240**

**23 मार्च, 2018 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: खरीफ फसल के उत्पादन में गिरावट**

**3240. श्री सी॰ एम॰ रमेशः**

**क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) इस वर्ष खरीफ फसल का अग्रिम पूर्वानुमान क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि चालू खरीफ के मौसम के दौरान खाद्यान्नों का उत्पादन 3 प्रतिशत

तक कम हुआ है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या उत्पादन में गिरावट से ग्रामीणों की आमदनी प्रभावित होगी; और

(घ) यदि हां, तो किसानों की मदद करने के लिए मंत्रालय ने क्या आकस्मिक योजना तैयार की है?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री गजेन्‍द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख) दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, खरीफ 2017-18 के दौरान देश में खाद्यान्‍नों का उत्‍पादन 138.46 मिलियन टन अनुमानित है, जो 2016-17 में 138.33 मिलियल टन के पिछले खरीफ उत्‍पादन से 0.10 प्रतिशत अधिक है। दूसरे अग्रिम अनुमान, 2017-18 के अनुसार खरीफ फसलों के उत्‍पादन का ब्‍यौरा नीचे दिया गया है:

|  |  |
| --- | --- |
| **खरीफ फसलें** | **उत्‍पादन (मिलियन टन में)** |
| चावल | 96.48 |
| मोटे अनाज | 33.15 |
| दलहन | 8.83 |
| खाद्यान्‍न | 138.46 |
| तिलहन | 20.36 |
| गन्‍ना | 353.23 |
| कपास\* | 33.92 |
| पटसन और मेस्‍ता# | 10.50 |

\* प्रति 170 कि.ग्रा. की मिलियन गांठें # प्रति 180 कि.ग्रा. की मिलियन गांठें

(ग) और (घ) जी नहीं, वर्तमान वर्ष के दौरान खरीफ खाद्यान्‍न उत्‍पादन में कोई कमी नहीं हुई है। तथापि, सरकार 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्‍य प्राप्‍त करने के लिए चार मुख्‍य पहलुओं पर ध्‍यान केन्‍द्रित कर रही है। इनमें उत्‍पादन लागत कम करना, उत्‍पादन के लिए उचित मूल्‍य सुनिश्‍चित करना, बर्बादी को कम करना और आय के वैकल्‍पिक स्रोतों का सृजन शामिल है।

\*\*\*\*\*